जाय । मैंने इस सम्बन्ध में अपनी एक अमेण्डमेन्ट भी दी है कि इस सम्बन्ध में सेन्ट्रल गवर्नमेन्ट की पूरी निगरानी होनी चाहिये । आपने इस में राष्ट्रपति को विजिटर बना दिया है, उन का इस से कोई मतलब नहीं है । इस में जवाब देही राष्ट्रपति के बजाय मिनिस्टर की होनी चाहिये ऐजूकेशन मिनिस्टर की होनी चाहिये, जो यूनीवर्सिटी के प्रशासन को देखे, उस के डिसिप्लिन के काम को देखे । यूनिवर्सिटी प्रशासन का काम दखे और डिसिप्लिन का काम देखे ।

दूसरी बात यह है कि जो वाइस चांसलर हो वह लोकल आदमी होना चाहिए । जो लोग बाहर से आते हैं वह हिन्दी समझते नहीं है ।

सभापति महोदय : आप कल कन्टीन्यू कीजियेगा ।

श्री विभूति मिश्र : मैं खत्म कर रहा हूं । तो मैं यह कह रहा था कि वाइस चांसलर वहां का स्थानीय आदमी होना चाहिए जैसे कि श्री मदन मोहन मालवीय और आचार्य नरेन्द्र देव रह चुके हैं जो कि हिन्दी एरिया के थे । नान-हिन्दी एरिया से जो आते हैं वे हिन्दी जानते नहीं, वे विद्यार्थियों से मिलते जुलते नहीं हैं ।

THE MINISTER OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (DR. V. K. R. V. Rao): Was Dr. Radhakrishnan a bad Vice-Chancellor?

सभापति महोदय : आप कल कन्टीन्यू कीजियेगा ।

सभापति महोदय : आचार्य नरेन्द्र देव एक कमरे में रहते थे । तो सरकार इन बातों पर ध्यान दे ।

सभापति महोदय : आप कल जारी रखियेगा ।

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

FIFTY-THIRD REPORT

SHRI BHALJIBHAI PARMAR: (Dohad): I beg to move:

"That this House do agree with the Fifty-third Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 26th August, 1969."

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That this House do agree with the Fifty-third Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 26th August, 1969."

The motion was adopted.

---

15 hrs.

RESOLUTION RE: NATIONALISATION OF FOREIGN TRADE, GENERAL INSURANCE, ETC.—*Contd.*

सभापति महोदय : अब श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा का जो प्रस्ताव है उसको लिया जायेगा । लेकिन इस सम्बन्ध में मुझे एक बात कहनी है कि इसके लिए दो घंटा समय था. . . . .

श्री मधु लिमये: (मुंगेर) : यह बहुत महत्वपूर्ण है ।

सभापति महोदय : इसके लिए दो घंटा समय था लेकिन इस पर दो घंटे 49 मिनट आलरेडी हो चुके हैं । अभी एस०एस० पी० और पी० एस० पी० दलों की ओर से इस पर कोई नहीं बोला है ।

श्री मधु लिमये : इस पर पार्टीज को नहीं बल्कि सभी को मौका दीजिए ।

सभापति महोदय : श्री मधु लिमये

श्री महन्त दिग्विजय नाथ (गोरखपुर)